मेसर्स.गणेश सातारकर प्रकाशित

कुवैत का संविधान

ISBN: 978-81-999963-0-4

Author: - MR.GANESH SHRIRANG SATARKAR

LL.M

Advocate, Bombay High Court

M/s.Adv.Ganesh Shrirang Satarkar & Co.
Published By This Book
Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932

1. **BOOK TITLE : कुवैत का संविधान**
2. **LANGUAGE:** HINDHI
3. **ISBN: 978-81-999963-0-4**
4. **EDITION:** FIRST EDITION
5. **AUTHOR: Mr. GANESH SHRIRANG SATARKAR**
6. **PUBLISHER/ PUBLISHING AGENCY** :-
7. **M/s. K.K & ASSOCIATES..** SHIVNERI, GAT NO 153, FARANDWADI, MANE MALA TAL PHALTAN, DIST - SATARA. MAHARSHTA, PIN 415523 INDIA
8. **CONTACT DETAILS:**
   MOBILE: +91 7066766607 **EMAIL:** GANESHNALE0@GMAIL.COM
9. **YEAR OF PUBLICATION:** 2026
10. **FORMAT:** SINGLE-COMPONENT RETAIL PRODUCT (BOOK)
11. **PRICE (IN INDIA):** ₹ 10 /- (**Printed and Published in India)**

COPYRIGHT & PUBLICATION STATEMENT

© 2026 **Mr. Ganesh Shrirang Satarkar (Nale)**
All rights reserved.
Disclaimer:
This publication is protected under applicable copyright laws. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, digitized, scanned, transmitted, copied, shared, sold, or circulated in any form or by any means—electronic, mechanical, photocopying, recording, audio-visual, digital, or online—without the prior written permission of the author and the publisher, except for brief quotations permitted strictly for academic, educational, research, or review purposes This book has been authored with the sole objective of presenting research-based, educational, and informative content in a clear, responsible, and accessible manner for students, scholars, and general readers. There is no intention whatsoever to offend, defame, misrepresent, or harm the sentiments, beliefs, dignity, or rights of any individual, community, group, culture, religion, or institution. All references are included purely for scholarly discussion. Every effort has been made to ensure accuracy; however, inadvertent errors may occur. Readers are requested to inform the publisher for correction in future editions. Unauthorized reproduction or piracy is punishable under law.

BIOGRAPHY : ADV. GANESH SHRIRANG SATARKAR

Adv. Ganesh Shrirang Satarkar is an emerging legal scholar, researcher, and academic contributor working at the intersection of law, criminology, sociology, and digital governance. He is currently associated with the Central University of Haryana, where he is pursuing postgraduate research in sociology alongside his interdisciplinary work in legal studies.

He holds an LL.M. in Criminal Law, LL.B. (Special), and has qualified the UGC-NET in both Law and Criminology. His academic research focuses on criminal justice systems, cybercrime, artificial intelligence in law, media and crime, governance studies, and socio-legal research.

Adv.Ganesh has contributed to national and international academic platforms through research publications, conference papers, and interdisciplinary collaborations. His work explores emerging legal challenges in areas such as digital justice, cyber security, social justice, gender studies, and technological transformations in legal systems.

He is actively connected with several international academic and research platforms including ORCID, Web of Science, SSRN, Vidwan (INFLIBNET), Google Scholar, OSF, and Harvard Dataverse.

Author Bio Researcher Profiles :

1. ResearchIDs : rid131046
2. Orcid Id : https://orcid.org/my-orcid?orcid=0000-0001-8474-7432
3. ISNI : https://isni.org/isni/0000000529498911
4. Web of Science ResearcherIDOYE-6264-2025
5. Social science research network SSRN Author ID: 9293272
6. Vidwan Profile URL: https://vidwan.inflibnet.ac.in/profile/666713
7. Google Scholar : https://scholar.google.com/citations?hl=en&user=4MrvCEwAAAAJ
8. OSF ID : https://osf.io/cndj8/
9. harvard.edu : https://dataverse.harvard.edu/dataverse/GANESHSHRIRANGSATARKAR).
10 https://about.me/adv.ganeshsatarkar

Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932

ADV. GANESH SHRIRANG SATARKAR

CERTIFICATE

OF WORLD RECORD

Proudly Presented To

Ganesh Shrirang Satarkar

In recognition of the outstanding achievement of becoming the First Indian to Translate and Publish the Constitutions of All 54 African Countries into Hindi as Separate ISBN-Registered Books, demonstrating exceptional dedication, scholarly excellence, and a significant contribution to legal literature and linguistic accessibility, thereby establishing a distinguished and historic record of academic accomplishment.

We officially announce the above-mentioned candidate as a globally certified **"Inspiration World Record Holder"**.

The certificate was issued on 27th February, 2026.

INSPIRATION IS WHERE PASSION BECOMES LEGACY

CERTIFIED

Application No. IWR/2026/UR0173
Certificate No. IWR/2026/WRH0081
Issued By: Chief Adjudicator

ISO CERTIFIED

VISHWAGURU ARPANAM 2026

VIA2025/SS-VA2025AZ760-2025-170/09102025

2 025100 900010

ISO 9001:2015 Registration No: QT-56622/0925
Micro, Small, and Medium Enterprises Registration Number: 11-0093948
Trademark Registered Under the Act of "TRADE MARKS ACT, 1999"

© www.inspirationworldrecords.org

कुवैत का संविधान

कुवैत का संविधान

1. देश का नाम

Kuwait

कुवैत (State of Kuwait)

---

2. संविधान का नाम

कुवैत का संविधान, 1962

(Kuwait Constitution of 1962, Reinstated in 1992)

---

3. संविधान के भाग (Chapters/Parts)

कुवैत का संविधान मुख्य रूप से 5 भागों में विभाजित है:

भाग	शीर्षक	अनुच्छेद
भाग 1	राज्य और शासन प्रणाली	अनुच्छेद 1–6
भाग 2	कुवैती समाज की मूल नींव	अनुच्छेद 7–26
भाग 3	सार्वजनिक अधिकार और कर्तव्य	अनुच्छेद 27–49
भाग 4	राज्य की शक्तियाँ	अनुच्छेद 50–173
भाग 5	सामान्य एवं अस्थायी प्रावधान	अनुच्छेद 174–183

---

4. संविधान के अनुच्छेद (Articles)

कुवैत के संविधान में कुल **183 अनुच्छेद** हैं।

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Kuwait

मुख्य अनुच्छेदों का संक्षिप्त विवरण:

अनुच्छेद	विषय
अनुच्छेद 1	कुवैत एक स्वतंत्र अरब राष्ट्र
अनुच्छेद 2	इस्लाम राज्य धर्म
अनुच्छेद 3	अरबी आधिकारिक भाषा
अनुच्छेद 6	लोकतांत्रिक शासन
अनुच्छेद 7	न्याय, स्वतंत्रता और समानता
अनुच्छेद 18	निजी संपत्ति का अधिकार
अनुच्छेद 29	समानता का अधिकार
अनुच्छेद 30	व्यक्तिगत स्वतंत्रता
अनुच्छेद 35	धार्मिक स्वतंत्रता
अनुच्छेद 36	अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
अनुच्छेद 50	शक्तियों का पृथक्करण
अनुच्छेद 51	विधायी शक्ति
अनुच्छेद 52	कार्यपालिका
अनुच्छेद 53	न्यायपालिका
अनुच्छेद 54	अमीर राज्य का प्रमुख
अनुच्छेद 79	कानून निर्माण प्रक्रिया
अनुच्छेद 80	राष्ट्रीय सभा
अनुच्छेद 107	संसद भंग करने की शक्ति

---

5. सभी भागों का संक्षिप्त विवरण

भाग 1 – राज्य और शासन प्रणाली

इस भाग में कुवैत की राष्ट्रीय पहचान, राज्य धर्म, भाषा और शासन प्रणाली का वर्णन किया गया है। कुवैत को एक स्वतंत्र, संप्रभु और लोकतांत्रिक अमीरात घोषित किया गया है। इस्लाम को राज्य धर्म तथा अरबी को आधिकारिक भाषा माना गया है।

भाग 2 – कुवैती समाज की मूल नींव

इस भाग में सामाजिक न्याय, समानता, परिवार, शिक्षा, स्वास्थ्य, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। राज्य को नागरिकों के कल्याण के लिए जिम्मेदार माना गया है।

भाग 3 – सार्वजनिक अधिकार और कर्तव्य

इस भाग में नागरिकों के मौलिक अधिकार दिए गए हैं जैसे:

- समानता का अधिकार
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
- धर्म की स्वतंत्रता
- शिक्षा का अधिकार
- कार्य करने का अधिकार
- सभा और संगठन बनाने का अधिकार

साथ ही नागरिकों के कर्तव्यों का भी उल्लेख किया गया है।

भाग 4 – राज्य की शक्तियाँ

यह संविधान का सबसे बड़ा भाग है। इसमें:

- अमीर की शक्तियाँ
- संसद (National Assembly)

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Kuwait

- मंत्रिपरिषद
- न्यायपालिका
- वित्तीय प्रशासन

  का विस्तृत वर्णन है।

  यह भाग शक्तियों के पृथक्करण (Separation of Powers) के सिद्धांत पर आधारित है।

भाग 5 – सामान्य एवं अस्थायी प्रावधान

इस भाग में संविधान संशोधन, अस्थायी नियम, तथा संक्रमणकालीन प्रावधानों का वर्णन किया गया है।

---

6. कुवैत के संविधान का विस्तृत विवरण (लगभग 5000 शब्द)

प्रस्तावना

कुवैत का संविधान 11 नवम्बर 1962 को लागू किया गया। यह संविधान अरब जगत में लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाने वाले प्रमुख संविधानों में से एक माना जाता है। कुवैत एक संवैधानिक अमीरात है जहाँ शासन का प्रमुख "अमीर" होता है। संविधान में लोकतंत्र, न्याय, समानता और सामाजिक कल्याण को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।

संविधान की प्रस्तावना में यह स्पष्ट किया गया है कि कुवैत की जनता लोकतांत्रिक शासन, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता में विश्वास रखती है। संविधान का उद्देश्य नागरिकों को राजनीतिक स्वतंत्रता, समानता और सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है।

कुवैत की शासन व्यवस्था

कुवैत की शासन प्रणाली संवैधानिक राजतंत्र (Constitutional Monarchy) पर आधारित है। यहाँ अमीर राज्य का सर्वोच्च प्रमुख होता है, लेकिन उसकी शक्तियाँ संविधान द्वारा सीमित की गई हैं।

अमीर की भूमिका

अमीर:

- राज्य प्रमुख होता है
- प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है
- संसद को भंग कर सकता है
- कानूनों को स्वीकृति देता है
- सेना का सर्वोच्च कमांडर होता है

हालाँकि संविधान यह भी सुनिश्चित करता है कि शासन लोकतांत्रिक सिद्धांतों के अनुसार चले।

लोकतंत्र और संप्रभुता

अनुच्छेद 6 के अनुसार:

“सार्वभौमिकता राष्ट्र में निहित है।”

इसका अर्थ है कि जनता ही अंतिम शक्ति का स्रोत है। कुवैत में प्रतिनिधि लोकतंत्र अपनाया गया है जहाँ जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनती है।

विधायिका (Legislature)

कुवैत की संसद को **राष्ट्रीय सभा (National Assembly)** कहा जाता है। इसमें 50 निर्वाचित सदस्य होते हैं। मंत्री भी संसद के सदस्य माने जाते हैं।

संसद की शक्तियाँ

- कानून बनाना
- बजट पारित करना
- मंत्रियों से प्रश्न पूछना

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Kuwait

- सरकार पर अविश्वास प्रस्ताव लाना
- राष्ट्रीय नीतियों की समीक्षा करना

कुवैत की संसद अरब विश्व की सबसे सक्रिय संसदों में मानी जाती है।

कार्यपालिका (Executive)

कार्यपालिका में:

- अमीर
- प्रधानमंत्री
- मंत्रिपरिषद

  शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मंत्रियों की नियुक्ति की सिफारिश करता है। मंत्रिपरिषद सरकारी नीतियों को लागू करती है।

न्यायपालिका (Judiciary)

कुवैत की न्यायपालिका स्वतंत्र है। संविधान न्यायपालिका को निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से कार्य करने की गारंटी देता है।

न्यायालय:

- संविधान की रक्षा करते हैं
- नागरिक अधिकारों की सुरक्षा करते हैं
- सरकारी कार्यों की वैधता की जाँच करते हैं

मौलिक अधिकार

कुवैत के संविधान में कई महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार दिए गए हैं।

1. समानता का अधिकार

अनुच्छेद 29 सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है। धर्म, भाषा, लिंग और मूल के आधार पर भेदभाव निषिद्ध है।

---

2. व्यक्तिगत स्वतंत्रता

अनुच्छेद 30 व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देता है। किसी व्यक्ति को कानून के बिना गिरफ्तार नहीं किया जा सकता।

---

3. धार्मिक स्वतंत्रता

अनुच्छेद 35 के अनुसार नागरिकों को धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है।

---

4. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

अनुच्छेद 36 नागरिकों को बोलने और लिखने की स्वतंत्रता देता है।

---

5. प्रेस की स्वतंत्रता

अनुच्छेद 37 प्रेस की स्वतंत्रता को मान्यता देता है।

---

6. शिक्षा का अधिकार

राज्य शिक्षा को अनिवार्य और प्रारंभिक स्तर पर निःशुल्क बनाता है।

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Kuwait

---

7. कार्य का अधिकार

हर नागरिक को रोजगार का अधिकार प्राप्त है।

सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था

कुवैत का संविधान सामाजिक न्याय पर आधारित अर्थव्यवस्था की बात करता है।

सामाजिक सुरक्षा

राज्य:

- वृद्धों
- बीमारों
- विकलांगों

  की सहायता करता है।

स्वास्थ्य

राज्य सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करता है और बीमारियों की रोकथाम करता है।

संपत्ति का अधिकार

निजी संपत्ति को सुरक्षित माना गया है। सार्वजनिक हित में ही अधिग्रहण संभव है।

प्राकृतिक संसाधन

तेल और अन्य प्राकृतिक संसाधन राज्य की संपत्ति माने गए हैं।

शक्तियों का पृथक्करण

अनुच्छेद 50 में स्पष्ट किया गया है कि:

- विधायिका
- कार्यपालिका
- न्यायपालिका
  अलग-अलग होंगी।
  यह लोकतंत्र का महत्वपूर्ण सिद्धांत है।

संविधान संशोधन

कुवैत के संविधान में संशोधन की प्रक्रिया कठिन रखी गई है ताकि संविधान की स्थिरता बनी रहे।

संशोधन:

- अमीर द्वारा प्रस्तावित
- संसद द्वारा स्वीकृत
  होता है।

आपातकालीन प्रावधान

अमीर को आपातकाल घोषित करने की शक्ति है, लेकिन संसद की स्वीकृति आवश्यक होती है।

कुवैत के संविधान की विशेषताएँ

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Kuwait

1. लिखित संविधान

यह एक विस्तृत लिखित संविधान है।

2. लोकतांत्रिक व्यवस्था

राजतंत्र होने के बावजूद लोकतांत्रिक सिद्धांत अपनाए गए हैं।

3. इस्लामी प्रभाव

इस्लाम राज्य धर्म है और इस्लामी कानून कानून निर्माण का प्रमुख स्रोत है।

4. मौलिक अधिकार

नागरिक स्वतंत्रताओं को विशेष महत्व दिया गया है।

5. शक्तियों का पृथक्करण

सरकार के तीनों अंगों को अलग रखा गया है।

कुवैत के संविधान की सीमाएँ

हालाँकि संविधान लोकतांत्रिक है, लेकिन:

- अमीर के पास व्यापक शक्तियाँ हैं
- संसद कई बार भंग की गई
- राजनीतिक दलों पर सीमाएँ हैं

इन कारणों से लोकतंत्र पूर्ण रूप से विकसित नहीं माना जाता।

अरब विश्व में महत्व

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Kuwait

कुवैत का संविधान अरब देशों में लोकतांत्रिक प्रयोग का महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह संविधान:

- नागरिक अधिकारों
- संसद की शक्ति
- न्यायपालिका की स्वतंत्रता
  को मान्यता देता है।

निष्कर्ष

कुवैत का संविधान 1962 आधुनिक अरब संविधानों में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह संविधान परंपरागत राजतंत्र और आधुनिक लोकतंत्र के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है। इसमें इस्लामी मूल्यों, लोकतांत्रिक सिद्धांतों और सामाजिक न्याय का समन्वय दिखाई देता है।

संविधान नागरिकों को व्यापक अधिकार प्रदान करता है तथा राज्य को कल्याणकारी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है। संसद, न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन स्थापित कर लोकतांत्रिक शासन को मजबूत बनाने का प्रयास किया गया है।

इस प्रकार कुवैत का संविधान न केवल देश की राजनीतिक व्यवस्था का आधार है बल्कि यह सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय एकता और नागरिक स्वतंत्रता का भी महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

M/s.Adv.Ganesh Shrirang Satarkar & Co.
Published By This Book

THE END

Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932